

## मुहावरे

- ❖ वाक्य में जिस शब्द समूह का साधारण अर्थ न होकर विशेष अर्थ होता है, उसे मुहावरा कहते हैं।
- ❖ 'मुहावरा' पूरा वाक्य नहीं बल्कि वाक्यांश होता है।
- ❖ 'मुहावरा' अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ का बोध कराता है।
- ❖ मुहावरे का अर्थ प्रसंग के अनुसार होता है।
- ❖ मुहावरे का प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं किया जाता, बल्कि यह वाक्य के बीच में प्रयुक्त होता है और वाक्य का अंग बन जाता है।
- ❖ मुहावरे का जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसकी क्रिया, लिंग, वचन, कारक आदि प्रसंग के अनुसार बदल जाते हैं।

## पद्य-भाग

### 1. कबीर-साखी

**आपा खोना (अहंकार नष्ट करना)** - भक्ति और अहंकार साथ-साथ नहीं चल सकते। ईश्वर को पाने के लिए आपा खोना ही पड़ता है।

**अँधियारा मिटना (अज्ञान समाप्त होना)** - महात्मा जी के अमृत वचन सुनकर मेरे सामने छाया सब अँधियारा मिट गया।

**मंत्र लगना (उपाय काम आना)** - पिता ने विवेकानंद को सांसारिक मार्ग पर चलाने के सारे उपाय किए, किंतु कोई भी मंत्र न लग सका।

**घर जलाना (स्वयं को खत्म करना)** - देशभक्ति के मार्ग पर चलने वाले क्रांतिकारियों को पहले अपना घर जलाना पड़ता है।

### 2. मीरा-पद

**लाज रखना (सम्मान की रक्षा करना)** - इस बार ओलंपिक में एक स्वर्ण जीतकर हमारे निशानेबाज ने भारत की लाज रख ली।

### 3. बिहारी-दोहे

**व्यर्थ नाचना (बेकार की भागदौड़)** - अज्ञान में पड़ा हुआ मनुष्य जीवन-भर व्यर्थ नाचते-नाचते उम्र खो देता है।

### 4. मैथिलीशरण गुप्त-मनुष्यता

**बाहू बढ़ाना (सहायता करना)**- परमात्मा हर दुखी को उबारने के लिए बाहू बढ़ाता है।

**विपत्ति ढकेलना (संकटों को दूर करना)**- जुझारू लोग अपने सामने आई हर विपत्ति को ढकेलकर आगे बढ़ जाते हैं।

### 5. वीरेन डंगवाल-तोप

**मुँह बंद होना (चुप होना, शांत होना)**- जिस दिन से वह चोरी करता पकड़ा गया है, उसका मुँह बंद हो गया ।

### 8. कैफ़ी आजमी-कर चले हम फ़िदा

**सिर झुकना (परास्त होना)**- पाकिस्तान-भारत के बीच चार युद्ध हुए हैं। सभी में पाकिस्तान का सिर झुका है।

**मौत से गले मिलना (सहर्ष बलिदान देना)**- इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा ने आतंकवादियों के ठिकाने पर सीधे आक्रमण किया और मौत से गले मिल गया।

**सिर पर कफ़न बाँधना (बलिदान के लिए तैयार होना)**- जो बहादुर कुछ कर गुजरना चाहते हैं, वे सिर पर कफ़न बाँधकर कर्म किया करते हैं।

**हाथ तोड़ना (करारा जवाब देना, युद्ध का जवाब करारे युद्ध से देना)** - जो भी तुम्हारे विरुद्ध हाथ उठाए, तुम उसके हाथ तोड़ दो।

**हाथ उठाना (आक्रमण होना)**- इससे पहले कि शत्रु का हाथ तुम्हारी ओर उठे, तुम उसे करारा जवाब दो ।

### गद्य-भाग

#### 1. प्रेमचंद-बड़े भाई साहब

**प्राण सूखना (डर लगना)**- सामने शेर को दहाड़ता देखकर मेरे प्राण सूख गए।

**पहाड़ होना ( बड़ी मुसीबत होना)**- मंच पर खड़े होकर दो घंटे बोलना मेरे लिए पहाड़ था।

**हँसी-खेल होना (छोटी-मोटी बातें)**- पूरे बोर्ड में प्रथम आना कोई हँसी-खेल नहीं है।

**आँख फोड़ना ( बड़े ध्यान से पढ़ना)**- मैं रात भर पढ़ पढ़कर आँखें फोड़ता रहा और इधर परीक्षा स्थगित हो गई।

**खून जलाना (कष्ट उठाना)**- माता पिता अपनी संतान को सुख-सुविधा देने के लिए दिन-रात खून जलाते हैं।

**पास फटकना (नजदीक जाना)**- प्राचार्य महोदय का रौबदाब इतना था कि कोई उनके पास तक नहीं फटक पाता था।

**गाढ़ी कमाई (मेहनत की कमाई)**- कोई भी मनुष्य अपनी गाढ़ी कमाई को यूँ ही नहीं उड़ा सकता।

**लगती बात (चुभती हुई बात)**- बड़े भाई साहब ऐसी-ऐसी लगती बात कहते थे कि मन विचलित हो उठता था।

**जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना (दिल पर भारी आघात लगना)**- बम धमाकों में अपने पुत्र की मौत देखकर माँ का जिगर टुकड़े-टुकड़े हो गया।

**हिम्मत टूटना (साहस समाप्त होना)**- बच्चे की मृत्यु का समाचार सुनकर पिता की हिम्मत टूट गई।

**जान तोड़ मेहनत करना (खूब परिश्रम करना)**- खेलों में प्रथम आने के लिए लड़के जान तोड़ मेहनत करते हैं।

**हाथ डालना (काम शुरू करना)**- वह बेचारा जिस भी काम में हाथ डालता है, उसी में घाटा होता है।

**नक्शा बनाना (योजना बनाना)**- मैंने रात भर कल के कार्यक्रम के नक्शे बनाए। पर तुमने पल-भर में कार्यक्रम समाप्त कर दिया।

**उड़ जाना (समाप्त होना)**- भाई भोजन के सामान में से खीर कहाँ उड़ गई ?

**दबे पाँव आना (चोरी-चोरी आना)**- रात को बिल्ली ऐसे दबे पाँव आई कि मुझे उसके आने का पता ही नहीं चला।

**साये से भागना (नाम से ही डरना)-** आजकल सख्ती इतनी है कि सभी कर्मचारी बॉस के साये से ही भागते हैं।

**प्राण निकलना ( भयभीत होना)-** वार्षिक परीक्षा का नाम सुनकर नालायक छात्रों के प्राण निकल जाते हैं।

**घुड़कियाँ खाना (डॉट-डपट सहना)-** भाई साहब! आप प्यार से समझाया करो। आपकी घुड़कियाँ खाना मेरे वश में नहीं है।

**आड़े हाथों लेना (खिंचाई करना, कठोरतापूर्ण व्यवहार करना)-** बम धमाकों में सरकार की ढिलाई देखकर मीडिया वालों ने मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लिया।

**घाव पर नमक छिड़कना (दुखी को और दुखी करना)-** गृहमंत्री की मक्कारी-भरी बातों ने धमाकों से सहमे लोगों के घावों पर नमक छिड़क दिया।

**खून जलाना (बहुत मेहनत करना)-** माता-पिता अपना खून जलाकर पैसे कमाते हैं और बेटा उनसे गुलछरें उड़ाता है।

**तीर मारना (बड़ी सफलता पाना)-** आस्ट्रेलिया को एक बार हराकर भारतीय क्रिकेट टीम ऐसे खुश थी मानो उसने कोई तीर मार लिया हो।

**हेकड़ी जताना (घमंड दिखाना)-** स्वयं को ऊँचा समझने वाले लोग हेकड़ी जताने से बाज नहीं आते।।

**तलवार खींचना (लड़ाई के लिए तैयार रहना)-** वह स्वभाव से इतना उग्र है कि बात-बात पर तलवार खींच लेता है।

**टूट पड़ना (तेजी से झपटना)-** जैसे ही भोजन शुरू हुआ, पूरी बरात खाने पर टूट पड़ी।

**दिमाग होना (घमंड होना)-** जब से उसने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, उसे दिमाग हो गया है।

**नाम निशान मिटाना (सब कुछ नष्ट करना)-** भारत की सरकार को चाहिए कि वह आतंकवादियों का नाम निशान मिटा डाले।

**चुल्लू भर पानी देने वाला (कठिन समय में साथ देने वाला)-** जो लोग दुनिया के साथ बुरा व्यवहार करते हैं, अंत में उन्हें कोई चुल्लू भर पानी देने वाला भी नहीं मिलता।

**दीन-दुनिया से जाना (कहीं का न रहना)-** अगर तुम इस तरह बेईमानी करते रहे तो नौकरी के साथ-साथ दीन-दुनिया से भी जाओगे।

**सिर फिरना (घमंड होना)-** जब से उसकी जमीन बिकी है और घर में पैसा आया है, उसका सिर फिर गया है।

**अंधे के हाथ बटेर लगना (अयोग्य को कोई महत्वपूर्ण वस्तु मिलना)-** उस अनपढ़ को इंजीनियर पत्नी क्या मिली, अंधे के हाथ बटेर लग गया।

**हाथ लगना (प्राप्त होना)-** बड़ी मुश्किल से नौकरी हाथ लगी है, इसे सँभालकर रखना।

**अंधा-चोट निशाना पड़ना (अचानक ही कोई चीज़ मिलना)-** प्रतियोगिता में प्रथम आया देख उसे बुद्धिमान न मान बैठना। बस कभी-कभी अंधा-चोट निशाना पड़ जाता है।

**दाँतों पसीना आना (बहुत अधिक परेशानी उठाना)-** शादी-ब्याह में इतने अधिक काम थे कि उन्हें निपटाते-निपटाते दाँतों पसीना आ गया।

**लोहे के चने चबाना (बहुत कठिनाई उठाना)-** एवरेस्ट चोटी पर चढ़ाई करना लोहे के चने चबाना है।

चक्कर खाना (भ्रम में पड़ना)- उसकी ऊटपटाँग बातें सुनकर मैं चक्कर खा गया।

बे-सिर-पैर की बातें (बेकार की ऊटपटाँग बातें)- उसकी बे-सिर-पैर की बातें सुनते-सुनते मेरा माथा भन्ना गया।

राह लेना (पीछा छोड़ना, चले जाना)- कोई काम हो तो रुको, वरना राह लो।

पन्ने रँगना (बेकार में लिखना)- अच्छे विद्यार्थी थोड़ा किंतु ठीक लिखते हैं। वे व्यर्थ में पन्ने नहीं रँगते।

पापड़ बेलना (कठिन काम करना)- सफलता पानी है तो सब प्रकार के पापड़ बेलने को तैयार रहो।

आटे-दाल का भाव मालूम होना (कठिनाई का सामना करना)- कभी नौकरी ढूँढने निकला तो तभी तुम्हें आटे-दाल का भाव मालूम होगा।

जमीन पर पाँव न रखना ( बहुत खुश होना) -जिस दिन मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, उस दिन मैं पाँव जमीन पर नहीं रख पा रहा था।

गिरह बाँधना (अच्छी तरह मन में बिठाना)- आज यह बात गिरह बाँध लो कि आतंकवाद को कुचले बिना देश में शांति नहीं हो सकती।

प्राण ले लेना (मार डालना)- अब तक आतंकवादी बहुत बेकसूर लोगों के प्राण ले चुके हैं।

हाथ से न जाना (चूकना)- यह सुनहरा मौका हाथ से न जाने देना।

शब्द चाटना (अच्छी तरह पढ़ना)- मुझे प्रथम आने का शौक इतना था कि मैं पुस्तक का एक-एक शब्द चाट जाता था।

मुठभेड़ होना (सामना होना, कलह होना)- यदि कभी मेरी उससे मुठभेड़ हुई तो मैं उसे नाकों चने चबवा दूँगा।

हाथ-पाँव फूल जाना (परेशानी देखकर घबरा जाना)- गुंडों के हाथों में बंदूकें देखकर उसके हाथ-पाँव फूल गए।

पैसे-पैसे को मुहताज होना (बहुत गरीब और मजबूर होना)- अजय की कंपनी डूब गई तो उसका परिवार पैसे-पैसे का मुहताज हो गया।

मुँह चुराना (शर्म के मारे बचना)- उधार लेने के बाद प्रायः उधार लेने वाला अपने ऋणदाता से मुँह चुराने लगता है।

हाथों में लेना (काम का जिम्मा लेना)- जब से मैंने यह धंधा हाथों में लिया है, मेरी चाँदी हो गई है।

बेराह चलना (गलत काम करना)- माता-पिता बच्चों पर इसलिए निगरानी रखते हैं कि कहीं वे बेराह न चलें।

जहर लगना (बहुत बुरा लगना)- डॉट खाने वाले बच्चे को डॉट का एक-एक शब्द जहर लगता है।

नतमस्तक होना (सिर झुकाकर मानना)- लेखक बड़े भाई की एक-एक तरकीब के सामने नतमस्तक हो जाता था।

जी ललचाना (मन में लालच आना)- क्या करूँ, इतनी सारी मिठाइयाँ देखकर मेरा जी ललचा उठता है।

## 2. डायरी का एक पन्ना-सीताराम सेकसरिया

रंग दिखाना (प्रभाव या स्वरूप दिखाना)- तुम इसे इतना सीधा न समझो। ऐन मौके पर तुम्हें यह ऐसा रंग दिखाएगा कि इसे भूल नहीं पाओगे।

ठंडा पड़ना (ढीला पड़ना)- पता नहीं, भारत सरकार आतंकवादियों को कुचलने के मामले में ठंडी क्यों पड़ जाती है।

टूट जाना (बिखर जाना)- मृत्यु के साथ मनुष्य के सारे सपने टूट जाते हैं।

ज़ुल्म ढाना (अत्याचार करना)-अंग्रेजों ने भारतीय जनता पर अनगिनत ज़ुल्म ढाए।

### 3. ततार्रा-वामीरो कथा-लीलाधर मंडलोई

सुध-बुध खोना (अपने वश में न रहना)- वामीरो की सुंदरता को देखकर ततार्रा सुध-बुध खो बैठा।

बाट जोहना (प्रतीक्षा करना)- भारतवासी ऐसी सरकार की बाट जोह रहे हैं जो आतंकवाद को कुचल कर रख दे।

आँखों में तैरना (मन में प्रकट होना)- एकांत क्षणों में सारी बीती बातें आँखों में तैरने लगती हैं।

खुशी का ठिकाना न रहना (बहुत अधिक खुशी होना)- 20-20 क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतने पर देशवासियों की खुशी का ठिकाना न रहा।

आग-बबूला होना (बहुत क्रोध में आना)- बच्चों की नारेबाजी सुनकर प्राचार्य महोदय आग बबूला हो गए।

राह न सूझना (उपाय न मिलना)- चारों ओर आग से घिर जाने पर मैं ऐसा घबराया कि मुझे कोई राह न सूझी।

सुराग न मिलना (पता न मिलना)- यह तो मोदी सरकार ही थी जिसने आतंकवादियों को कुछ ही दिनों में पकड़ लिया। वरना शेष सरकारों को तो बरसों तक आतंकवादियों के सुराग भी नहीं मिलते।

आवाज़ उठाना (विरोध करना)- हमें अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठानी चाहिए।

एक-एक पल पहाड़ होना-(प्रतीक्षा का समय मुश्किल से बीतना)-विदेश से अपने पुत्र के आने की खबर सुनने के बाद माँ के लिए एक-एक पल पहाड़ हो रहा था।

एकटक निहारना (देखते ही रह जाना)- विदेशी पर्यटक ताजमहल को एकटक निहारते रहे।

अपना राग अलापना (अपनी ही बात कहना)- अपने अहंकार में चूर रावण ने किसी की बात नहीं सुनी, वह अपना राग अलापता रहा ।

### 4. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले-निदा फ़ाजली

दीवार खड़ी करना ( बाधा उत्पन्न करना)- मित्र है या शत्रु? जहाँ भी जाता है, वहीं मेरे सामने दीवार खड़ी कर देता है।

डेरा डालना (स्थायी रूप से रहना)- ये अपराधी यूँ ही पकड़ में नहीं आते। महीनों इनकी राह में डेरा डाले बैठना पड़ता है।

मारे-मारे फिरना (परेशान रहना)- राम और उसका भाई कई सालों से नौकरी के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं, परंतु अभी तक उन्हें नौकरी नहीं मिली ।

### 5. पतझर में टूटी पतियाँ-रवीन्द्र केलेकर

हवा में उड़ना (थोथी बातें करना, ऊपरी बातें करना, यथार्थ से दूर होना)- उसकी बातों पर न जाना। उसे हवा में उड़ने की आदत है।

### 6. कारतूस-हबीब तनवीर

आँखों में धूल झाँकना (धोखा देना)- इस बार पुलिस की आँखों में धूल झाँकने के लिए आतंकवादियों ने स्कूली बैग में बम रखवाए।

हाथ न आना (पकड़ा न जाना)- पता नहीं, हमारी पुलिस क्या करती रहती है। आतंकवादी वारदात करके खिसक जाते हैं, वे कभी हाथ नहीं आते।

मुट्ठी भर (थोड़े-से)- आतंकवादी मुट्ठी भर भी हों तो भी जन-जीवन को थरा देते हैं।

कूट-कूटकर भरना (भावना का बहुत अधिक प्रबल होना)- आतंकवादियों के मन में द्वेष की भावना कूट-कूटकर भरी रहती है।

काम तमाम करना (जान से मार डालना)- पुलिस इंस्पेक्टर शर्मा ने एक ही गोली में गुंडे का काम तमाम कर डाला।

नज़र रखना (निगरानी करना)- गुप्तचर विभाग का काम यही है कि वह हर गतिविधि पर नज़र रखे।

जान बखशी करना (जान छोड़ देना)- लो, इस बार मैं तुम्हें जान बखशी करता हूँ। फिर से मेरे रास्ते में न आना।

हक्का-बक्का (हैरान) - सिंह धोनी की आतिशी पारी देखकर आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी हक्के-बक्के रह गए।

बुरा-भला कहना (खरी-खोटी सुनाना)- वकील ने वज़ीर अली को बुरा-भला कहा।

### ‘संचयन’ में प्रयुक्त मुहावरे

#### 1. हरिहर काका-मिथिलेश्वर

फूटी आँख नहीं सुहाना (जरा भी अच्छा न लगना)- ये लाफ्टर चैनल पर आने वाले फूहड़ हँसोड़ मुझे फूटी आँख नहीं सुहाते।

आँख भर आना (आँसू आना)- इंस्पेक्टर शर्मा की विधवा को बिलखते देखकर सबकी आँख भर आई।

धमा-चौकड़ी मचाना (उपद्रव करना) - आज ये लोग गार्ड की बजाय धमाचौकड़ी मचा रहे हैं- माजरा क्या है ?

दिल पसीजना (दया का भाव जागना)- अनाथ बालक को रोते देखकर वहाँ खड़े सभी लोगों का दिल पसीज गया।

तू-तू मैं-मैं (झगड़ा होना)- मैं तो तुम्हें अंतरंग मित्र समझता था। तुम तो अभी से तू-तू मैं-मैं पर उतर आए।

रंगे हाथ पकड़ना (गलती करते हुए पकड़ना)- पुलिस ने चोर को रंगे हाथ पकड़ा। फिर भी वह अगर-मगर करता रहा।

खून खौलना (क्रोध उफनना)- चोर को सफेद झूठ बोलते देखकर मेरा खून खौल उठा।

दूध की मक्खी (बेकार वस्तु, अनुपयोगी)- आजकल की नालायक संतानें अपने बूढ़े माता-पिता को दूध की मक्खी समझती हैं।

गिद्ध दृष्टि (बुरी नज़र)- पाकिस्तान कश्मीर पर सदा-से गिद्ध दृष्टि लगाए बैठा है।

फरार होना (भाग जाना)- चोर पुलिस को देखते ही फरार हो गया।

तूती बोलना (प्रभाव होना, दबदबा होना)- देश में आजकल नरेंद्र मोदी की तूती बोल रही है।

मुँह खोलना (रहस्य बताना)-अगर मैंने अध्यापक के सामने मुँह खोल दिया तो सबको सज़ा मिलेगी।

गूँगेपन का शिकार होना (भयवश बोल न पाना)-हरिहर काका की स्थिति अच्छी नहीं थी, वह गूँगेपन का शिकार हो गए।

खोज-खबर लेना (जानकारी प्राप्त करना)- कहने को तीन भाई थे, परंतु किसी ने उनकी खोज-खबर नहीं ली।

तन-बदन में आग लगना (क्रोधित होना)- हरिहर काका पर अत्याचार होते देख लेखक के तन-बदन में आग लग गई।

कान खड़े होना (सचेत होना)- रात को बर्तन गिरने की आवाज़ें सुनकर हम सब के कान खड़े हो गए।

हाथ से निकलना (अवसर चूकना)- महंत किसी भी सूरत में ज़मीन हाथ से निकलने नहीं देना चाहता था।

भनक तक न लगना (आभास न होना)- चोरों की योजना की किसी को भनक तक न लगी।

जी-जान से जुटना (सख्त मेहनत करना)- रमेश अपनी योजना को कार्य रूप देने के लिए जी-जान से जुट गया।

पर्दाफ़ाश होना (भेद खुलना)- एक-न-एक दिन अपराधियों का पर्दाफ़ाश हो ही जाता है।

## 2. सपनों के-से दिन- गुरुदयाल सिंह

तार-तार होना (बुरी तरह कट-फट जाना)- काँटों में उलझकर उसके कपड़े तार-तार हो गए।

तरस खाना (दया करना)- तेरी छोटी उम्र पर तरस खाकर छोड़ रहा हूँ, वरना ईट-से-ईट बजा देता।

आँख बचाना (छिपाना)- मैंने आँख बचाने की बहुत कोशिश की किंतु उसके हत्थे चढ़ ही गया।

ढाढ़स बँधाना (हिम्मत देना)- दिलेर पुलिस अधिकारी मोहनचंद्र शर्मा की विधवा को ढाढ़स बंधाने वालों का ताँता लगा हुआ था।

हाय-हाय करना (अपने कष्टों का रोना रोना)- तुम तो थोड़ा-सा भी कष्ट नहीं सहते। जरा-सी आँच लगते ही हाय-हाय करने लगते हो।

दिन गिनना (अधीर होना)- दीवाली कब आएगी-हम तो बस दिन गिन रहे हैं।

सस्ता सौदा (आसान उपाय)- एम.बी.बी.एस. के लिए दूसरी बार प्रवेश-परीक्षा देने की बजाय डेंटल कॉलेज में दाखिला लेना सस्ता सौदा है।

खाल खींचना (बुरी तरह पीड़ा पहुँचाना)- मास्टर जी ने धमकाते हुए कहा कि मैं काम न करने वालों की खाल खींच लूँगा।

चमड़ी उधेड़ना (बुरी तरह पेश आना)- अगर तुम गुंडागर्दी से बाज न आए तो चमड़ी उधेड़ दूँगा।

छाती धक-धक करना (हैभयभीत होना)-गणित की परीक्षा के नाम से मेरी छाती धक-धक करने लगती है।

## 3. टोपी शुक्ला-राही मासूम रजा

**दिल फड़कना (बेचैन होना)-** बेटी की शादी के दिन नज़दीक आते ही माँ का दिल फड़कने लगा।

**दिल मसोसकर रहना (इच्छा को मन में दबा कर रहना)-** मैं डॉ बनना चाहती थी,लेकिन पैसों की तंगी के कारण मन मसोसकर रह गई।

**बरस पड़ना (एकदम से क्रोधित हो जाना)-** देर रात घर लौटे पुत्र को देखकर पिता उस पर बरस पड़े।

**मुँह न लगाना (प्यार न करना)-** बुजुर्गों का अपमान करने वाले लोगों को कोई मुँह नहीं लगाता।

**ज़ुल्म ढाना (अत्याचार करना)-**अंग्रेजों ने भारतियों पर बहुत ज़ुल्म ढाए थे।

**आत्मा में उतरना (गहराई में उतरना)-** लाल बहादुर शास्त्री जी की सादगी सभी की आत्मा में उतर गई थी।

**स्वर्ग सिधारना (मृत्यु होना)-** राम की दादी स्वर्ग सिधार गईं।